an>

title: Need to accord status of classical language to Marathi.

श्री राजन विचारे (ठाणे) : अध्यक्ष महोदया, पिछले कई वर्षों से समय-समय पर हमारे द्वारा मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा की मान्यता देने की मांग की जाती रही है। इसके लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित अभिजात्य मराठी भाषा समिति का गठन प्रख्यात प्रोफेसर पठारे जी के नेतृत्व में किया गया। समिति ने दिनांक 10 जनवरी, 2012 को भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। समिति ने किसी भी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने के लिए सभी मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर एक लंबे शोध कार्य के बाद अपनी रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपी है। मुझे खेद है कि आज तक संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। मैं आपके माध्यम से माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी अनुरोध करता हूँ कि कृपया इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा की मान्यता देने की दिशा में सार्थक पहल करें।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे एवं श्री राहुल शेवाले को श्री राजन विचारे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।